country and it should be given its due share. I urge upon the Government to provide immediate funds to the Southern Railway to meet its needs.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Rajmani Patel.

Demand to provide facilities to handicraft and handloom industries

श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, हथकरघा एवं हस्तशिल्प भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण हिस्से रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा रोजगार क्षेत्र है, जो आजीविका एवं वस्त्र प्रदान करता है, लेकिन औद्योगिक प्रक्रिया में बुनकरों एवं उनके कौशल की अपेक्षा हो रही है। अन्य क्षेत्रों की तरह इन्हें उचित कच्चा माल, प्रौद्योगिकीय समकालीन डिजाइन, आईटी का ज्ञान उपलब्ध नहीं हो रहा है। हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र को अन्य उद्योगों की तरह अनुसंधान विकास, उपकरण, भंडारण तथा वितरण जैसी सुविधाएँ प्राप्त नहीं हो रही हैं। वर्ष 2013-14 में इस क्षेत्र का बजट 605 करोड़ रुपये का था, जिसको वर्ष 2019-20 में बढ़ाने के बजाय घटाकर 450 करोड़ रुपये का कर दिया गया है, जिससे 15 प्रतिशत से अधिक बुनकर, यानी हस्तशिल्प तथा हथकरघा में कार्यरत लोग लाखों की तादाद में कार्य छोड़कर पलायन कर रहे हैं।

अत: मेरा केन्द्र सरकार तथा माननीय मंत्री जी से आग्रह है कि ऐसी संकट की स्थिति से उबरने के लिए बजट प्रावधान बढ़ाया जाए तथा अन्य उद्योगों की तरह हस्तशिल्प एवं हथकरघा उद्योग को भी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।

श्री उपसभापति: इस पर माननीय मंत्री जी कुछ कहना चाहती हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री; तथा वस्त्र मंत्री (श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी) : माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपका आभार व्यक्त करना चाहती हूँ कि आपने मुझे मौका दिया। सबसे पहले मैं माननीय सदस्य को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि हाथ से बनाई हुई वस्तुएँ, चाहे वे धातु की हों या कपड़े की हों, उनमें कार्यरत हमारे एक लाख शिल्पियों और हथकरघा से संबंधित जितने भी परिवार हैं, उनकी NIOS और IGNOU के माध्यम से skilling की विशेष व्यवस्था की गई है। अगर हथकरघा से संबंधित कोई व्यक्ति पढ़ाई करना चाहे, तो उसकी पढ़ाई की पूर्ति करने के लिए, उसकी स्कूली शिक्षा और यूनिवर्सिटी की शिक्षा पूर्ण करने के लिए भारत सरकार 75 प्रतिशत फीस दे रही है। विशेष हथकरघा क्षेत्र में हमने weavers को "मुद्रा योजना" से जोड़ा है। सर, मुझे आपके माध्यम सदन को यह बताते हुए खुशी है कि हमने देखा है कि एक बार "मुद्रा योजना" में सहायता प्राप्त करने के बाद उनकी आमदनी में 50 से 60 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

श्री उपसभापति: धन्यवाद, माननीय मंत्री जी। माननीय राजमणि पटेल जी, आपको तुरंत जवाब मिल गया, यह बड़ी अच्छी प्रक्रिया है। प्रो. एम.वी. राजीव गौडा जी।